

● मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 16

अनुक्रमांक

नाम

102

302(DH)

2021

सामान्य हिन्दी

समय : 2 घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड हैं । दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(खण्ड-क)

1. प्रश्न संख्या 1 एवं 2 में से किसी एक प्रश्न को हल कीजिए ।
5 × 2 = 10 अंक
2. प्रश्न संख्या 3 एवं 4 में से किसी एक प्रश्न को हल कीजिए ।
5 × 4 = 20 अंक

XII-555

[Turn over

302(DH)

2

3. प्रश्न संख्या 5 (क) एवं 5 (ख) में से किसी एक प्रश्न को हल कीजिए । $6 + 4 = 10$ अंक
4. प्रश्न संख्या 6 एवं 7 में से किसी एक प्रश्न को हल कीजिए । 10 अंक

(खण्ड-ख)

5. प्रश्न संख्या 8 (क) एवं 8 (ख) में से किसी एक प्रश्न को हल कीजिए । $10 + 4 = 14$ अंक
6. प्रश्न संख्या 9 2 अंक
7. प्रश्न संख्या 10 एवं 11 में से किसी एक प्रश्न को हल कीजिए । 13 अंक

(प्रश्न 10 (क) = $3 \times 3 = 9$ अंक, प्रश्न 10 (ख) = $2 \times 2 = 4$ अंक, प्रश्न 11 = $5 \times 2 = 10$ अंक, प्रश्न 11 (घ) = $1\frac{1}{2} + 1\frac{1}{2} = 3$ अंक)

8. प्रश्न संख्या 12 एवं 13 में से किसी एक प्रश्न को हल कीजिए । 12 अंक

(प्रश्न 12 = $4 \times 3 = 12$ अंक, प्रश्न 13 = $8 + 4 = 12$ अंक)

9. प्रश्न संख्या 14 9 अंक

XII-555

(खण्ड-क)

1. क) 'माताभूमि' के लेखक हैं
- जैनेन्द्र कुमार
 - पं० दीनदयाल उपाध्याय
 - प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी
 - ~~वासुदेवशरण अग्रवाल ।~~
- ख) डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी की रचना है
- 'आवारा मसीहा'
 - ~~'विचार-प्रवाह'~~
 - 'तट की खोज'
 - 'दशद्वार से सोपान तक' ।
- ग) निम्न में से प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी की रचना नहीं है
- ~~'हिन्दी साहित्य की भूमिका'~~
 - 'साहित्य और समाज'
 - 'लांग्वेज प्रोब्लम इन इंडिया'
 - 'वैचारिकी, शोध और बोध' ।
- घ) 'आरोहण-प्रमुख स्वामीजी के साथ मेरा आध्यात्मिक सफर' कृति के रचनाकार हैं
- राहुल सांकृत्यायन
 - ~~डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम~~
 - फणीश्वरनाथ 'रेणु'
 - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ।

XII-555

[Turn over

302(DH)

4

ड) निम्न में से कृति और उसके रचनाकार का एक सही युग्म है

- i) 'कला और संस्कृति' – जैनैन्द्र कुमार
- ii) 'सोच-विचार' – डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी
- iii) 'परती परिकथा' – फणीश्वरनाथ 'रेणु'
- iv) 'विचार और वितर्क' – अमरकान्त ।

2. क) रीतिकालीन महाकाव्यात्मक कृति है

- i) 'पृथ्वीराज रासो' ii) 'रामचन्द्रिका'
- iii) 'वैदेही-वनवास' iv) 'साकेत' ।

ख) 'तीसरा सप्तक' का प्रकाशन-वर्ष है

- i) सन् 1951 ई० ii) सन् 1954 ई०
- iii) सन् 1959 ई० iv) सन् 1978 ई०

ग) निम्न में से छायावादी कवि नहीं हैं

- i) रामकुमार वर्मा ii) सुमित्रानन्दन पन्त
- iii) महादेवी वर्मा iv) मैथिलीशरण गुप्त ।

घ) 'चाँद का मुँह टेढ़ा है' कविता-संग्रह के रचनाकार हैं

- i) गजानन माधव मुक्तिबोध
- ii) धर्मवीर भारती
- iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'
- iv) ज्ञानेन्द्रपति ।

ड) मैथिलीशरण गुप्त की काव्यकृति है

- i) 'त्रिकाल सन्ध्या' ii) 'इत्यलम्'
- iii) 'सिद्धराज' iv) 'नीलकुसुम' ।

XII-555

केशव

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

भगवान् बुद्ध ने मार-विजय के बाद वैरागियों की पुलटन खड़ी की थी । असल में 'मार' मदन का भी नामांतर है । कैसा मधुर और मोहक साहित्य उन्होंने दिया । पर न जाने कब यक्षों के वज्रपाणि नामक देवता इस वैराग्यप्रवण धर्म में घुसे और बोधिसत्त्वों के शिरोमणि बन गये फिर वज्रयान का अपूर्ण धर्म मार्ग प्रचलित हुआ । त्रिरत्नों में मदन देवता ने आसन पाया । वह एक अजीब आँधी थी । इसमें बौद्ध बह गये, शैव बह गये, शाक्त बह गये । उन दिनों 'श्री सुन्दरी संधन तत्पराणां योगश्च भोगश्च करस्थ एव' की महिमा प्रतिष्ठित हुई । काव्य और शिल्प के मोहक अशोक ने अभिचार में सहायता दी । मैं अचरज से उस योग और भोग की मिलन-लीला को देख रहा हूँ ।

i) कौन बोधिसत्त्वों का शिरोमणि बन गया ?

ii) 'मार' शब्द किसका पर्यायवाची है ?

iii) 'बोधिसत्त्व' और 'अभिचार' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

v) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

XII-555

[Turn over

वज्रपाणि नामक देवता
(ईश)
मदन/मामदेव
जो बुद्धत्व से जलन ही उन
अनुष्ठान
अथवा
हजारों नामों के

302(DH)

6

भाषा की साधारण इकाई शब्द है। शब्द के अभाव में भाषा का अस्तित्व ही दुरूह है। यदि भाषा में विकसनशीलता शुरू होती है तो शब्दों के स्तर पर ही। दैनन्दिन सामाजिक व्यवहारों में हम कई ऐसे नवीन शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, जो अंग्रेजी, अरबी, फारसी आदि विदेशी भाषाओं से उधार लिये गये हैं। वैसे ही नये शब्दों का गठन भी अनजाने में अनायास ही होता है। ये शब्द अर्थात् उन विदेशी भाषाओं से सीधे अविकृत ढंग से उधार लिये गये शब्द, भले ही कामचलाऊ माध्यम से प्रयुक्त हों, साहित्यिक दायरे में कदापि ग्रहणीय नहीं। यदि ग्रहण करना पड़े तो उन्हें भाषा की मूल प्रकृति के अनुरूप साहित्यिक शुद्धता प्रदान करनी पड़ती है। यहाँ प्रयत्न की आवश्यकता प्रतीत होती है।

- भाषा में विकसनशीलता किस स्तर पर शुरू होती है ? शब्दों के स्तर पर
- नये शब्दों का गठन किन स्थितियों में होता है ? अज्ञाने अनायासे
- 'दैनन्दिन' तथा 'अनायास' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए। अज्ञाने अनायासे = बिना पराश्रय
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

XII-555

भाषा और आधुनिकता
डॉ. जी. डी. रूडी

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

नील परिधान बीच सुकुमार

खुल रहा मृदुल अधखिला अंग,

खिला हो ज्यों बिजली का फूल

मेघ-वन बीच गुलाबी रंग ।

ओह ! वह मुख ! पश्चिम के व्योम-

बीच जब घिरते हों घनश्याम,

अरुण रवि मंडल उनको भेद

दिखाई देता हो छविधाम ।

i) इस पद्यांश में किसकी सुन्दरता का वर्णन किया गया है ?

ii) 'परिधान' और 'छविधाम' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

iii) 'व्योम' और 'अरुण' शब्द किस-किस शब्द के पर्यायवाची हैं ?

iv) रेखांकित अंश का भावार्थ स्पष्ट कीजिए ।

v) कविता का शीर्षक तथा कवि का नाम लिखिए ।

अथवा

XII-555

[Turn over

श्री दत्ताजी

जयशंकर प्रसाद

302(DH)

8

यह मनुज, जो सृष्टि का शृंगार,
ज्ञान का, विज्ञान का, आलोक का आगार ।
'व्योम से पाताल तक सब कुछ इसे है ज्ञेय',
पर, न यह परिचय मनुज का, यह न उसका श्रेय ।
श्रेय उसका बुद्धि पर चैतन्य उर की जीत;
श्रेय मानव की असीमित मानवों से प्रीत,
एक नर से दूसरे के बीच का व्यवधान
तोड़ दे जो, बस, वही ज्ञानी, वही विद्वान,
और मानव भी वही ।

- i) सृष्टि का शृंगार कौन है ? मनुज
- ii) मनुष्य के लिए श्रेयस्कर क्या है ? मानवता
- iii) 'आगार' और 'व्यवधान' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए । घर रुकावट
- iv) रेखांकित अंश का भावार्थ लिखिए ।
- v) कविता का शीर्षक तथा कवि का नाम लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

- i) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी
ii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी
iii) वासुदेवशरण अग्रवाल ।

XII-555

अभिमान मनुज

राजधारी सिंह दिवक

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

- i) मैथिलीशरण गुप्त ii) सुमित्रानन्दन पन्त
iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'।

6. 'पंचलाइट' अथवा 'ध्रुव-यात्रा' कहानी का सारांश लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

अथवा

'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

7. स्वर्णित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

- i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर सन् 1942 के विद्रोह की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

- ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के कथानक पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुःशासन' की चरित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

302(DH)

10

- iii) 'रश्मिस्थी' खण्डकाव्य के 'प्रथम सर्ग' की कथा पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'रश्मिस्थी' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रीकृष्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

- iv) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के षष्ठ सर्ग में वर्णित नमक-सत्याग्रह के सन्दर्भ में गाँधी जी की डाँडी यात्रा की कथा लिखिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

- v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के प्रथम तीन सर्गों की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

- vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रवणकुमार' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'सन्देश' सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :
 अतीते प्रथमकल्पे जनाः एकमभिरूपं सौभाग्यप्राप्तं सर्वाकारपरिपूर्णं पुरुषं राजानमकुर्वन् । चतुष्पदा अपि सन्निपत्य एकं सिंह राजानमकुर्वन् । ततः शकुनिगणाः हिमवत्-प्रदेशे एकस्मिन् पाषाणे सन्निपत्य 'मनुष्येषु राजा प्रजायते तथा चतुष्पदेषु च । अस्माकं पुनरन्तरे राजा नास्ति । अराजको वासो नाम न वर्तते । एको राजस्थाने स्थापयितव्यः' इति उक्तवन्तः । अथ ते परस्परमवलोकयन्तः एकमुलूकं दृष्ट्वा 'अयं नो रोचते' इत्यवोचन ।

अथवा

धन्योऽयम् भारतदेशः यत्र समुल्लसति जनमानस पावनी, भव्यभावोद्भाविनी, शब्द-सन्दोह-प्रसविनी सुरभारती । विद्यमानेषु निखिलेष्वपि वाङ्मयेषु अस्याः वाङ्मयम् सर्वश्रेष्ठं सुसम्पन्नं च वर्तते । इयमेव भाषा संस्कृतनाम्नापि लोके प्रथिता अस्ति । अस्माकं रामायण-महाभारताद्यैतिहासिकग्रन्थाः चत्वारोवेदाः, सर्वा उपनिषदः अष्टादशपुराणानि, अन्यानि च महाकाव्य-नाट्यादीनि अस्यामेव भाषायाः लिखितानि सन्ति । इयमेव भाषा सर्वासामार्यभाषाणां जननीति मन्यते भाषातत्त्वविद्भिः ।

XII-555

| Turn over

302(DH)

302(DH)

12

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय।
खलस्य साधोः विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय॥

अथवा

जयन्ति ते महाभागा जन-सेवा-परायणाः ।

जरामृत्युभयं नास्ति येषां कीर्तितनोः क्वचित् ॥

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

- (i) हवा से बातें करना ।
- (ii) नाक में नकेल डालना ।
- (iii) गंगा गये गंगादास, जमुना गये जमुनादास ।
- (iv) घोड़े बेचकर सोना ।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'वधूत्सव' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) वधु + उत्सवः (ब) वधू + उत्सवः

(स) वधूत् + सवः (द) वधुः + उत्सवः।

XII-555

(ii) 'रमेशः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) राम + ईशः (ब) रमा + ईसः

(स) रमा + ईशः (द) रमे + शः ।

(iii) 'मध्वरिः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) मधु + अरिः (ब) मधू + अरिः

(स) मध्व + अरिः (द) मधु + वारिः।

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'आत्मनि' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन

(ब) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन

(स) पञ्चमी विभक्ति, एकवचन

(द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन ।

(ii) 'नाम' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) द्वितीया विभक्ति, एकवचन

(ब) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन

(स) षष्ठी विभक्ति, द्विवचन

(द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन ।

302(DH)

14

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) अस्त्र-शस्त्र -

(अ) हाथ में लेकर चलाया जानेवाला हथियार तथा फेंककर चलाया जानेवाला हथियार ।

(ब) बन्दूक और भाला

(स) तलवार और तीरकमान

(द) फेंककर चलाया जानेवाला हथियार और हाथ में लेकर चलाया जानेवाला हथियार ।

(ii) अनिल-अनल -

(अ) आग और हवा

(ब) हवा और आग

(स) शून्य और आग

(द) हवा और पानी ।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए :

(i) कर

(iii) नाग ।

(ii) चपला

XII-555

कर
दण्ड
कर
दण्ड
चपला
चपला
चपला

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए :

(i) गलत कार्य के लिए हठ करनेवाला -

(अ) सुआग्रही (ब) हठी

(स) दुराग्रही (द) अनाग्रही ।

(ii) संयम से और कम खर्च करनेवाला -

(अ) मितव्ययी (ब) अपव्ययी

(स) कंजूस (द) मिताग्रही ।

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

(i) बेटी परायां धन होता है ।

(ii) आप प्रातःकाल के समय आइएगा ।

(iii) एक फूल की माला दे दीजिए ।

(iv) अनाधिकार चेष्टा मत कीजिए ।

12. (क) 'करुण' रस अथवा 'शान्त' रस का लक्षण और उदाहरण लिखिए ।

(ख) 'अनुप्रास' अलंकार अथवा 'उपमा' अलंकार की उदाहरण सहित परिभाषा लिखिए ।

(ग) 'दाहा' छन्द अथवा 'कुण्डलियां' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए ।

हठी
फूल की माला दे दीजिए
अनाधिकार

16

13. 'दैनिक जागरण' समाचारपत्र में प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर 'लिपिक' के पद पर अपनी नियुक्ति के लिए (उस) इंटरमीडिएट कॉलेज के प्रबन्धक को आवेदन-पत्र लिखिए ।

अथवा

अपने नगर की सफाई हेतु, उससे सम्बन्धित अधिकारी को एक प्रार्थनापत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए :
- स्वास्थ्य शिक्षा में योग का महत्त्व
 - भारत में आतंकवाद : कारण और समाधान
 - मेरी प्रिय रचना - 'रामचरितमानस'
 - देशाटन से लाभ
 - राष्ट्रीय एकता - वर्तमान समय की अनिवार्य आवश्यकता ।

302(DH)

XII-555